



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 187]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 23, 2001/चैत्र 2, 1923

No. 187]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 23, 2001/CHAITRA 2, 1923



गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 मार्च, 2001

संदर्भ.—गृह मंत्रालय की दिनांक 17-9-1991 की अधिसूचना संख्या का.आ. 603(अ)।

का.आ. 259(अ).—यतः इस मंत्रालय की उक्त अधिसूचना के तहत अरुणाचल प्रदेश के तीरप एवं चांगलांग जिलों को 17-9-1991 से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 के अंतर्गत अशान्त क्षेत्र घोषित किया गया था क्योंकि केन्द्र सरकार की राय में उक्त जिले इतनी अशान्त एवं खतरनाक स्थिति में थे कि सिविल प्रशासन की सहायता के लिए सशस्त्र बलों का प्रयोग आवश्यक था, और

2. यतः माननीय उच्चतम न्यायालय के समझ प्रस्तुत किए गए विवरण में भारत सरकार ने बताया था कि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत "अशान्त क्षेत्रों" की घोषणा संबंधी सभी वर्तमान अधिसूचनाओं की 20-8-1997 से तीन माह की अवधि के भीतर समीक्षा की जारी।

3. उक्त स्थिति की पिछली बार सितम्बर, 2000 में समीक्षा की गई थी तथा दिनांक 27-9-2000 की अधिसूचना संख्या का.आ. 891(अ) के तहत तीरप एवं चांगलांग की "अशान्त क्षेत्रों" के रूप में घोषणा के कार्यकाल को 31-3-2001 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। अब तीरप एवं चांगलांग जिलों में कानून एवं व्यवस्था की और समीक्षा की गई है। कानून एवं व्यवस्था के बारे में राज्य सरकार की रिपोर्ट से निम्नलिखित तथ्यों का पता चलता है :-

1. पनपसलीएन्‌डूके१ के कार्यकर्ताओं ने तीरप जिले के कनुबारी क्षेत्र के गांवों से 150 रु०/प्रति घर की दर से गृह कर बसूलना जारी रखा।

इसी बीच नोवलाय अरंधम नामक व्यक्ति के नेतृत्व में पनपससीएन॥के॥ कार्यकर्ताओं का एक यत्न जानकरा, गांव में आया तथा उन्होंने गांव वासियों को प्रेरणा किया ।

- (iii) पनपससीएन॥आईपम॥ का क्रियोंग न्यामते, जिसका पनपससीएन॥के॥ के कार्यकर्ता वारा मई, 2000 में लाजू गांव (तीरप जिला) से अपहरण कर लिया गया था, गंगबो गांव से पनपससीएन॥के॥ के अड्डे से भाग निकला तथा पनपससीएन॥आईपम॥ में शामिल हो गया ।
- (iv) पनपससीएन॥के॥ के कार्यकर्ताओं के एक दस्ते की 15.1.2001 से चांगलांग के सरसंग सर्कित के नोंगथम गांव में पहाड़ डालने की खबर थी । चांगलांग में उनके पहाड़ डालने का प्रयोजन उस क्षेत्र में जनता से कर वसूल करने वाले पनपससीएन॥आईपम॥ गुट से लड़ा था ।
- (v) 29 दिसम्बर, 2000 को पनपससीएन॥आईपम॥ के चार संविध त्र सशस्त्र कांडर हायर सेकेन्डरी स्कूल मियाओ (चांगलांग जिला) के कार्यालय पर आर तथा कर के रूप में 23,000₹० इकलठे किए । उन्होंने पसड़ीओं मियाओं से भी धन मांगा तथा इस बात के लिए जोर डाला कि पसड़ीओं को सभी विभागों से धन वसूली में उनकी सहायता करनी चाहिए ।
- (vi) पनपससीएन॥आईपम॥ कार्यकर्ताओं ने 3 गैर जनजातीय लोगों को मियाओ के निकट बांसु पहाड़ के जंगल में छुताया तथा उन्हें मियाओं के दुकानदारों से धन वसूल करने का निदेश दिया ।
- (vii) सारसांग क्षेत्र (चांगलांग जिला) के व्यापारियों ने बीपससीएन॥आईपम॥ गुट वारा मांगे गए धन का मुगातान किया । पसड़ीओं, मियाओं तथा

परियोजना निवेशक नमुदापहा दशगर परियोजना को जारी किए गए मांग पत्रों पर आवासेंड के किसी स्वयं भू कैप्टम विकट उर्फ रोकनवांग तथा शिंगवांग उर्फ केनवांग ह्रम्यांमार मूल कारु वारा हस्ताक्षर किए गए थे ।

4. राज्य सरकार ने यह भी बताया है कि राज्य पुलिस बल की सीमित उपलब्धता से इन दो ज़िलों में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में रखना संभव नहीं है तथा उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना/अर्थसैनिक बलों की सहायता मांगी है । राज्य सरकार ने भी सिफारिश की है कि इन दोनों ज़िलों को अशान्त क्षेत्र के रूप में घोषित करना जारी रखा जाए ।

5. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, केन्द्र सरकार की राय है कि तीरप एवं चांगलांग ज़िलों में स्थित अशान्त है तथा यह कि सिविल प्रशासन की सहायता के लिए सशस्त्र बलों के प्रयोग की परिस्थितियां मौजूद हैं । अतः, यह निर्णय लिया गया है कि दृश मंत्रालय की दिनांक 17 सितम्बर, 1991 की उक्त अधिसूचना 30 सितम्बर, 2001 तक प्रदूष रहेगी जब तक कि इसे इससे पूर्व वापिस न लिया जाए ।

[फा. सं. 13/27/99-एम जैड]
जी. के. पिल्लै, संयुक्त सचिव (एन.ई.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd March, 2001

Ref.—Ministry of Home Affairs' Notification No. S.O. 603(E), dated 17-9-1991.

S.O. 259(E).—Whereas Tirap and Changlang districts of Arunachal Pradesh were declared as disturbed areas under the Armed Forces (Special Powers) Act, 1958 w.e.f. 17.9.1991 vide this Ministry's Notification referred to above, as, in the opinion of the Central Government, the said districts were in such a disturbed and dangerous condition that the use of armed forces in aid of civil power was necessary, and

2. Whereas in a statement filed before the Hon'ble Supreme Court, the Government of India had stated that all current notifications regarding declaration of "disturbed areas" under the aforesaid Act, would be reviewed within a period of three months from 20.8.1997.

3. The situation was last reviewed in September 2000 and vide Notification bearing SO 891(E) dated 27.9.2000, it was decided to extend the tenure of the declaration of Tirap and Changlang as 'disturbed areas' upto 31.3.2001. A further review of the law & order situation in Tirap & Changlang districts has since been conducted. The State Government reports on law & order bring out the following facts:

- (i) NSCN(K) activists continued to collect house-tax at the rate of Rs.150/- per house from villages under Kanubari area of Tirap district. Meanwhile, a group of NSCN(K) activists led by one, Nowlai Arangham, visited village Banfera and harassed the villagers.
- (ii) One Kimong Nyamtey of NSCN(IM), who was kidnapped by NSCN(K) a activist from Lazu village (Tirap district) in May, 2000, escaped from the NSCN(K) hideout from Longbo village and joined the NSCN(IM).
- (iii) A contingent of 60 armed NSCN(K) activists were reportedly camping in the village of Nongtham under Kharsang Circle of Changlang district since 15.1.2001. The purpose of their camping in Changlang was to fight with NSCN(IM) faction, who were collecting taxes from the public in that area.
- (iv) On December 29, 2000, four suspected armed NSCN(IM) cadres came to the office of Higher Secondary School, Miao (Changlang district) and collected Rs.23,000 as tax. They also demanded

money from the SDO, Miao and insisted that the SDO should assist in collection money from all the Departments.

- (v) NSCN(IM) activists summoned 3 non-tribal persons in the jungle of Wangsu Pahar near Miao and directed them to collect money from the shopkeepers of Miao.
- (vi) The businessmen of Kharsang area (Changlang district) paid money, as demanded by the NSCN(IM) outfit. The demand-letters issued to SDO, Miao and Project Director, Namdapha Tiger Project were signed by one self-styled Captain Victor alias Rokunawang of Nagaland and Thingwang alias Kenwang (of Myanmar origin).

4. The State Government have also reported, that with the limited availability of State police force, it is not possible to fully control the law and order situation in these two districts and have sought the help of Army/para military forces to control the situation. The State Government have also recommended that these two districts be continued to be declared as disturbed.

5. In the light of the above, the Central Government is of the opinion that the situation in Tirap and Changlang districts is disturbed and that conditions exist for the use of armed forces in aid of civil power. It is, therefore, decided that the notification dated 17th September 1991 of this Ministry mentioned above, will remain in force upto 30th September 2001 unless withdrawn earlier.

[F. No. 13/27/99-MZ]

G. K. PILLAI, Jt. Secy. (NE)

